नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत-गायन, नृत्य की प्रस्तुतियां

वर्धा, 20 मार्च 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, नैक बैंगलूरु द्वारा प्रायोजित तथा विवि के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन

प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएं एवं चुनौतियां विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान शनिवार को हबीब तनवीर सभागार में छात्र-छात्राओं

बैंगलूरु
(IQAC)
उच्च
संवर्धन में
चुनौतियाँ
विश्वविद्यालय

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थितों का मन मोह लिया। विश्वविद्यालय के छात्र मंगेश

भुरसे, ज्योति सिंह, पूर्वेश, रजेंद्र, नीत प्रिया प्रलय और मेघा ने गीत, संगीत, नृत्य और गायन से श्रोताओं को मुग्ध कर दिया। मंगेश भुरसे ने शास्त्रीय गायन प्रस्तुत किया, वहीं ज्योति सिंह ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थितों का दिल जीत लिया। पूर्वेश ने नृत्य के माध्यम से अपनी कला का परिचय दिया। गजेंद्र ने कबीर का दोहा अपने चीर-परिचित अंदाज में गाकर सुनाया। मेघा ने आज जाने की जिद ना करों इस गज़ल को प्रस्तुत किया। गजेंद्र और मेघा ने नदिया के पार फिल्म का 'कौन दिसा में ले के चला रे... इस गाने को गाया। नीत प्रिया ने लोकगीत प्रस्तुत किया। कलाकारों को तबले पर जीवन बांगड़े ने तथा हार्मोनियम पर शैलेश जगताप ने संगत की। कार्यक्रम का संचालन शिक्षा विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर अप्रमेय मिश्र ने किया। इन प्रस्तुतियों का संयोजन प्रदर्शनकारी कला विभाग की सहायक प्रोफेसर सुरभि ने किया और विभाग के अन्य विद्यार्थियों ने उन्हें सहयोग दिया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र,

राष्ट्रीय संगोष्ठी
परिषद
प्रायोजित
एवं
आंतरिक गुणवत्ता
प्रकोष्ठ
आयोजित
गुणवत्ता
एवं चुनौतियाँ
मार्च, 2016)
हिंदी विश्वविद्यालय

कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रो. सूरज पालीवाल, डॉ. शोभा पालीवाल, प्रो. अरबिंद कुमार झा, प्रो. आनंद प्रकाश, संगोष्ठी में आमंत्रित अतिथि, प्रतिभागी, अध्यापक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।